भा कृ अनु प–सी एम एफ आर आइ मंडपम क्षेत्रीय केंद्र में हरित पुली चिंगट का समुद्र रैंचन

समुद्र रैंचन की नियमित पहल को जारी करते हुए, भा कृ अनु प-केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान (सी एम एफ आर आइ) मंडपम क्षेत्रीय केंद्र ने पी एल–55 -60 (67 -72 दिन) आकार सहित कुल 8 लाख हरित पुली चिंगट (पीनस सेमिसल्केटस-फ्लवर इरल/तालै इरल) के बीजों को तमिलनाडु के रामनाथपुरम जिले के पाक खाड़ी में स्थित मुनैक्काडु के समुद्री घास संस्तरों में विमोचन किया। प्राकृतिक रूप से टिकाऊ चिंगट प्रभव के संरक्षण एवं परिरक्षण के लिए समुद्री रैंचन पहल सहायक सिद्ध होंगी और इस क्षेत्र के मछुआरों की आजीविका में सुधार होगा।

श्री के. मुरलीधरन, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ संस्थान प्रबंधन समिति सदस्य, डॉ. आर. जयकुमार, वैज्ञानिक एवं प्रभारी अध्यक्ष, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, कर्मचारी गण और स्थानीय मछुआरों की उपस्थिति में चिंगट बीजों का विमोचन किया गया। केंद्र के वैज्ञानिक श्री एम. शंकर और डॉ. बी. जोनसन द्वारा कार्यक्रम का समन्वयन किया। वर्तमान वित्तीय वर्ष (2020–21) के दौरान पाक खाड़ी और मन्नार खाड़ी में कुल 2.7 मिलियन बीजों का विमोचन किया गया। पिछले चार वर्षों के दौरान (2017-2020) पी एल 10-35 आकारवाले कुल 8.745 मिलियन बीजों का विमोचन किया गया।

वर्तमान वितीय वर्ष 2020-2021 में मन्नार खाड़ी और पाक खाड़ी में कुल 2.7 मिलियन चिंगट बीजों का समुद्री रैंचन किया गया ।पाक खाड़ी के मुनैक्काडु के समुद्री घास तटों में दिनांक 9 फरवरी 2021 को पी एल 55-60 (67-72 दिन) के कुल 8.0 लाख चिंगट बीजों का विमोचन किया गया। श्री के. मुरलीधरन, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ संस्थान प्रबंधन समिति सदस्य, डॉ. आर. जयकुमार, प्रभारी अध्यक्ष, भा कृ अनु प- सी एम एफ आर आइ के वैज्ञानिक और कर्मचारी गण और स्थानीय मछुआरों की उपस्थिति में चिंगट बीजों का विमोचन किया। केंद्र के वैज्ञानिक श्री एम. शंकर और डॉ. बी. जोनसन द्वारा कार्यक्रम का समन्वयन किया.

हरित पुली चिंगट के समुद्र रैंचन के दृश्य